**भारत सरकार**

**सूचना और प्रसारण मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1629**

**(दिनांक 29.07.2026 को उत्तर देने के लिए)**

## बीआईएनडी योजना के अंतर्गत प्रगति

**1629. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः**
**श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलालः**
**श्री योगेन्द्र चांदोलियाः**
**श्री दुलू महतोः**
**श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतरावः**
**श्री राधेश्याम राठियाः**
**श्री कोटा श्रीनिवास पूजारीः**
**श्रीमती स्मिता उदय वाघः**
**श्री सुधीर गुप्ताः**
**डॉ. हेमंत विष्णु सवराः**

**क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या सरकार ने विगत एक वर्ष के दौरान प्रसार भारती के आधुनिकीकरण के लिए 'प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास' (बीआईएनडी) योजना के अंतर्गत हुई प्रगति की समीक्षा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने डिजिटलीकरण, हाई डेफिनिशन प्रसारण, ट्रांसमीटर आधुनिकीकरण और प्रसारण सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण सहित अवसंरचनात्मक तथा प्रौद्योगिकीय उन्नयन कार्य किए है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देशभर में, विशेषकर जलगांव लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित महाराष्ट्र में दूरदर्शन और आकाशवाणी सेवाओं की गुणवत्ता, पहुंच तथा सुलभता का आकलन किया है और यदि हां, तो इस संबंध में उठाए गए कदमों सहित राज्य-वार और जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का देश के सुदूर/वंचित क्षेत्रों में प्रसारण अवसंरचना को और अधिक आधुनिक बनाने तथा डिजिटल सार्वजनिक सेवा प्रसारण का विस्तार करने का विचार है और यदि

हां, तो विशेषकर जलगांव लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र का राज्य-वार और जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने सार्वजनिक सेवा प्रसारण और डिजिटल मीडिया की पहुंच को मजबूत करने पर 'बिंद' योजना के प्रभाव का मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) पालघर जिले में दूरदर्शन और आकाशवाणी केंद्र की वर्तमान स्थिति क्या है तथा मराठी जैसी क्षेत्रीय भाषाओं में क्षेत्रीय सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए क्या प्रावधान किए गए हैं?

**उत्तर**

**सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री**

**(डॉ. एल. मुरुगन)**

(क) से (च): प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास (बीआईएनडी) स्कीम दूरदर्शन और आकाशवाणी की प्रसारण अवसंरचना के विकास, आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है, जिसे वर्ष 2021-26 के लिए ₹2539.61 करोड़ के परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया है और इसकी अवधि दिनांक 31.03.2027 तक बढ़ा दी गयी है।

इस स्कीम में ट्रांसमीटरों, स्टूडियो, प्रोडक्शन और पारेषण सुविधाओं के उन्नयन, डीडी फ्री डिश डीटीएच प्लेटफॉर्म और दूरदर्शन चैनलों के विस्तार और लोक सेवा प्रसारण को सुदृढ़ करने के लिए अन्य पहलों के माध्यम से प्रसारण अवसंरचना के आधुनिकीकरण का प्रावधान है।

इस स्कीम के अंतर्गत किए गए प्रमुख अवसंरचनात्मक एवं प्रौद्योगिकीय उन्नयन में निम्नलिखित शामिल हैं:

i. डिजिटलीकरण: अधिकांश दूरदर्शन स्टूडियो को डिजिटल कर दिया गया है। फाइल-बेस्ड वर्कफ़्लो सुविधाएं प्रदान की गई हैं, जिसमें हैदराबाद में एंड-टू-एंड सुविधा और डीडी नेशनल चैनल के लिए टू-चैनल ऑटोमेटिड प्ले-आउट सिस्टम शामिल हैं। 125 आकाशवाणी स्टेशनों पर ई-गवर्नेंस का कार्य पूरा हो चुका है।

ii. हाई डेफिनिशन प्रसारण: डीडी सह्याद्री, डीडी गिरनार और डीडी ओडिया को जून 2025 में एचडी फार्मेट में लॉन्च किया गया था। डीडी न्यूज के चार स्टूडियो और सेंट्रल प्रोडक्शन सेंटर, दिल्ली को एचडी में अपग्रेड किया गया है। नेटिव यूएचडी मोबाइल प्रोडक्शन सुविधाएं (ओबी वैन), यूएचडी मॉड्यूलर फ्लाई-पैक ओबी यूनिट, 4k कैमरे और संबद्ध उपकरण प्रदान किए गए हैं। दर्शकों की संख्या का डेटा एकत्र करने के लिए एचडी बीएआरसी वॉटरमार्किंग सिस्टम स्थापित किए गए हैं।

iii. ट्रांसमीटर आधुनिकीकरण: 116 एफएम ट्रांसमीटरों को चालू किया गया है। भारत-नेपाल सीमा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संवेदनशील क्षेत्रों में, 5 एफएम ट्रांसमीटरों को चालू किया गया है और 7 की आपूर्ति की गई है। जम्मू-कश्मीर में चार डिजिटल-रेडी हाई-पावर टीवी ट्रांसमीटर और लद्दाख के हिमबोटिंगला में एक 10 किलोवाट एचडी-रेडी ट्रांसमीटर चालू किया गया है। 16 स्थानों पर टावरों के सुदृढ़ीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है।

iv. प्रसारण सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण: विभिन्न केंद्रों पर अर्थ स्टेशनों को एचडी-अनुरूप और स्पेक्ट्रम-कुशल सेट-अप में अपग्रेड किया गया है। डीडी फ्री डिश प्लेटफॉर्म का विस्तार 112 से बढ़ाकर 118 एसडीटीवी चैनलों तक कर दिया गया है। 18 स्थानों पर आकाशवाणी स्टूडियो का नवीनीकरण पूरा हो गया है, 31 स्थानों पर एयर कंडीशनिंग संयंत्रों को बदल दिया गया है और 15 जेनसेट को बदल दिया गया है। विजुअल रेडियो शुरू किया गया है।

सरकार अपने कार्यक्रमों के प्रभाव का लगातार आकलन करती है। आकाशवाणी का संयुक्त मीडियम वेव/एफएम कवरेज, जनसंख्या के हिसाब से लगभग 98% और क्षेत्रफल के हिसाब से लगभग 90% है। "डीडी फ्री डिश" देश में कहीं भी बिना किसी सदस्यता शुल्क के प्राप्त किया जा सकता है। महाराष्ट्र के 28 चैनलों सहित 260 से अधिक आकाशवाणी चैनल "न्यूजऑनएआईआर" ऐप पर उपलब्ध हैं; दूरदर्शन और आकाशवाणी की सामग्री "वेव्स" और सोशल मीडिया पर भी उपलब्ध है।

महाराष्ट्र में तीन कार्यक्रम निर्माण केंद्र हैं - दूरदर्शन केंद्र, मुंबई, तथा पुणे और नागपुर में कार्यक्रम निर्माण सुविधाएं। राज्य में फील्ड प्रोडक्शन के लिए यूएचडी मोबाइल प्रोडक्शन सुविधाएं और फ्लाई-पैक ओबी यूनिटें प्रदान की गई हैं।

जलगांव लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में, आकाशवाणी के जलगांव स्टेशन में एक 20 किलोवाट मीडियम वेव और एक 5 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर है, और डीडी फ्री डिश सिग्नल (डीडी सह्याद्री सहित) निर्वाचन क्षेत्र में प्राप्त किए जा सकते हैं।

वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों, सीमावर्ती क्षेत्रों, आकांक्षी जिलों और अल्पसेवित क्षेत्रों सहित प्रसारण सुविधाओं के और आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है, जिसमें 82 नए एफएम ट्रांसमीटर और 126 मौजूदा ट्रांसमीटरों का उन्नयन शामिल है। महाराष्ट्र में, 2 नए एफएम ट्रांसमीटरों और 11 (जलगांव के 5 किलोवाट ट्रांसमीटर का 10 किलोवाट में उन्नयन सहित) को अनुमोदित किया गया है।

डीडी फ्री डिश, वेव्स, "न्यूजऑनएआईआर" और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से डिजिटल लोक सेवा प्रसारण का विस्तार जारी है।

पालघर जिला आकाशवाणी, मुंबई के मीडियम वेव कवरेज द्वारा कवर किया जाता है, जो मराठी में प्रसारित होता है। महाराष्ट्र के लिए 24x7 मराठी चैनल, डीडी सह्याद्री को दूरदर्शन केंद्र, मुंबई से प्रसारित किया जाता है, जो जलगांव और पालघर सहित पूरे राज्य के लिए कला, संस्कृति, विरासत, समाचार और सरकारी स्कीमों को शामिल करता है। यह डीडी फ्री डिश, "वेव्स" और यूट्यूब पर भी उपलब्ध है। आकाशवाणी महाराष्ट्र के चैनल भी "न्यूजऑनएआईआर" ऐप पर हैं, जो जिले में क्षेत्रीय भाषा की सामग्री को बढ़ावा दे रहे हैं।

*****